पैदा करेगी। रासायनिक कीटनाशी दवाओं की खपत को कम करने के लिए एक नई कीट प्रबन्ध नीति को प्रोत्साहित किया जा रहा है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ संवर्दनात्मक, यांत्रिक तथा जैविक कीट नियंत्रण विधियों को अधिमानतः अपनाना शामिल हैं।

Shortage of milk in Delhi

4013. PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Delhi has been reeling under acute shortage of milk in the recent months;

(b) if so, the reasons thereof;

(c) the steps taken to overcome the milk shortage in Delhi; and

(d) the steps taken to provide more quantity of milk to Delhites at reasonable rates?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) and (d) In order to supplement the availability of fresh milk, especially during summer, milk is rreconstituted with the help of white butter, butter-oil and skimmed milk powder so that normal supply is maintained.

गुजरात में खाद्यान्नों का उत्पादन

4014. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1994–95 के दौरान गुजरात में कुल कितनी मात्रा में खाद्यान्नों का उत्पादन हुआ तथा इस संबंध में वर्ष 1995–96 के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं

(ख) क्या सरकार ने गुजरात में खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हेतु कोई कार्यक्रम तैयार किया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम): (क) वर्ष 1994–95 के लिए खाद्यान्न उत्पादन के अन्तिम प्राक्कलन अभी विभिन्न राज्यों से प्राप्त होने शेष हैं। तथापि, उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार गुजरात में 1994–95 के दौरान खाद्यान्न का कुल उत्पादन लगभग 47.32 लाख मीटरी टन होने का अनुमान हैं। गुजरात के लिए वर्ष 1995–96 हेतु खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 58.85 लाख मीटरी टन निर्धारित किया गया है।

(ख) और (ग) खाद्यान्न की उत्पादकता तथा उत्पादन बढ़ाने के लिए फसलोन्मुखी उत्पादन कार्यक्रम जैसे एकीकृत अनाज विकास कार्यक्रम-चावल, गेहूं और मोटा अनाज तथा राष्ट्रीय दलहन विकास कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, फसल उत्पादन में सुधार करने के लिए कम खपत वाले क्षेत्रों में उर्वरकों के उपयोग में वृद्धि करने तथा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार संबंधी कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं।

Shortage of DMS Ghee

4015. PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether there has been an acute shortage and scarcity of DMS ghee in the country, particularly in Delhi/New Delhi;

(b) whether the National Dairy Development Board is continuing with the export of butter to West Asia and Sri Lanka;

(c) if so, the reasons therefor;

(d) whether the prices of butter and ghee have risen steeply; and

(e) the other measures envisaged to overcome the shortage of milk, butter and ghee and making them available to consumers at reasonable rates?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) and (b). No, Sir.

(c) Does not arise, in view of answer to (a) and (b) above.

(d) and (e) The prices of butter and ghee have risen. In order to maintain the supply of milk, imports of butter oil and skimmed milk powder (SMP) have been arranged.

गुजरात में श्वेत क्रांति, पशुपालन और मछली पालन के लिये केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनायें

4016. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में श्वेत क्रांति, पशुपालन और मछली पालन संबंधी केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं का जिलावार ब्यौरा क्या है ;

(ख) सरकार द्वारा इनके लिए गत तीन वर्षों के दौरान आवंटित धनराशि का वर्षवार तथा योजनावार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) उक्त अवधि के लिए इन योजनाओं के सम्बंध में निर्धारित लक्ष्यों तथा उनकी उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) से (ग) पशुपालन एवं मात्स्यिकी का विकास राज्य का विषय है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा कृषि एवं सहकारिता विभाग इन क्षेत्रों के विकास के लिए उनके प्रयासों में वृद्धि करने के उद्देश्य से राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। इस प्रयोजन के लिए निधियां निर्मुक्त की जाती हैं तथा राज्य स्तर पर प्रगति की निगरानी की जाती है जिला स्तर पर निधियों का आवंटन तथा योजना की निगरानी करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

कृषि उत्पादों का निर्यात

4017. **प्रो० राम बक्श सिंह वर्मा** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना की शेष अवधि के दौरान कृषि उत्पादकों के निर्यात की संभावनाएं क्या हैं ;

(ख) निर्यात की इन संभावनाओं का लाभ उठाने में पेश आ रही कठिनाइयों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए सरकार ने कौन-कौन से कदम उठाए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) कृषि जिन्सों के संबंध में आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि (1996–97) के अन्त तक 1991–92 के आधार मूल्यों पर 6519 करोड़ रूपये का निर्यात लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

(ख) इन निर्यात संभावनाओं का लाभ उठाने में कोई दिक्कतें पेश नहीं आ रही हैं।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

Production of Oil Seeds

4018. SHRI SOM PAL: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the production of oilseeds during the past five years in the country;

(b) the imports of edible oils or oilseeds both in terms of quantity and vlaue during the same period;